



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (II)
PART II—Section 3—Sub-section (II)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 226] नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, मई 10, 1984/वैशाख 20, 1906
No. 226] NEW DELHI, THURSDAY, MAY 10, 1984/VAISAKHA 20, 1906

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती हैं जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके
Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate
compilation

दिल्ली संचालक
(आर्थिक कार्य विभाग)
(बैंकिंग प्रभाग)
अधिलेखना

नई दिल्ली, 10 मई, 1984

का. आ. 373(अ) :—केन्द्रीय सरकार, भारतीय औद्योगिक विकास बैंक
अधिनियम, 1964 (1964 का 18) की धारा 4 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का
प्रयोग करते हुए औद्योगिक विकास बैंक की प्राधिकृत पूंजी को बढ़ा कर पांच सौ
करोड़ रुपये करती है।

[मं. एफ. 10(41) आई. एफ. 1/82]
के. पी. पांडेयन, अवर सचिव

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Economic Affairs)

(Banking Division)

NOTIFICATION

New Delhi, the 10th May, 1984

S.O. 373 (E) :—In exercise of the powers conferred by the proviso to Section 4 of the Industrial Development Bank of India Act, 1964 (18 of 1964), the Central Government hereby increases the authorised capital of the Industrial Development Bank of India to five hundred crores of rupees.

[No. F. 10 (41)|IF-I|82]

K. P. PANDIAN, Under Secy.